भारतीय पर्यटन विकास निगम (आई.टी.डी.सी.) के विरूद्ध अदालती मामले

2515. **श्री गोविन्दराव आदिक :**
श्री प्रमोद महाजन :

क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले दो वर्षों के दौरान भारत पर्यटन विकास निगम (आई. टी. डी. सी.) के प्रबंधकों के विरूद्ध दायर किए गये अदालती मामलों की संख्या में बहुत वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि हां, तो पिछले दो वर्षों के दौरान दायर किए गए मामलों का ब्यौरा क्या है ;

(ग) उनके क्या कारण हैं ;

(घ) क्या यह भी सच है कि ऐसे कई मामले कर्मचारियों द्वारा प्रबंधकों के रवैये के कारण दायर किए गए हैं ;

(ङ) यदि हां, तो क्या सरकार इस स्थिति से उबरने के लिए कुछ कदम उठाने का विचार रखती है ;

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(छ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) जी, नहीं। प्रबंधकवर्ग के विरूद्ध दर्ज किए गए घाटलों की संख्या लें, गत दो वर्षों के दौरान मामूली सी कमी आई है।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) जी, नहीं, कर्मचारियों के सेवा संबंधी सभी मामले जैसे कि भर्ती, प्रोन्नति, अनुशासनिक कार्रवाई आदि पर वर्तमान नियमों और विनियमों तथा निगम की नीतियों के अनुसार ही विचार किया जाता है।

(ङ) से (छ) प्रश्न नहीं लगता।

इंडियन एयरलाइंस और एयर इंडिया में पायलटों की कमी

2516. **श्री सुशील कुमार संभाजीराव शिन्दे :**
श्री गोविन्दराव आदिक :
श्री वीरेन जे. शाह :

क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री 8 दिसम्बर, 1994 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न, 290 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इंडियन एयरलाइंस और एयर इंडिया में पायलटों की कितनी कमी है और इस कमी का प्रचालन सेवाओं पर कहां तक असर पड़ा है ;

(ख) इंडियन एयर लाइंस और एयर इंडिया में पायलटों की कमी को पूरा करने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं या उठाने का विचार रखती है ;

(ग) क्या एयर इंडिया और इंडियन एयर-लाइंस का विलय करने का कोई प्रस्ताव है ; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) इंडियन एयरलाइंस ने अनुमान लगाया है कि दिसम्बर, 1994 में, 16 ए-300, 31 ए-320 और 24 बी-737 विमान-चालकों की कमी है। एयर इंडिया में अनुसूचित सेवाएं प्रचालित करने के लिए विमानचालकों की कमी नहीं है।

(ख) इंडियन एयरलाइंस ने विमानचालकों की कमी को पूरा करने के लिए नीचे दिए गए प्रमुख कदम उठाए हैं :—

(1) परीक्षकों, अनुदेशकों और [illegible] पायलटों की संख्या बढ़ाई गई है ताकि और अधिक संख्या में विमानचालकों को कमाण्ड इयूटी के लिए प्रशिक्षित किया जा सके ;

(2) विमानचालकों की प्रशिक्षण पद्धति में संशोधन किया गया है।

(3) भारतीय वाणिज्यिक विमानचालक संघ के साथ नवम्बर, 1993 में दो समझौतों